>

Title: Need to take steps for socio-economic development of 'Mushar' community in Deoria district of Uttar-Pradesh.

श्री गोरख प्रसाद जायसवाल (देवरिया): मेरे संसदीय क्षेत्र देवरिया जिले में चूहे पकड़ कर खाने वाली मूसहर जाति काफी बड़ी संख्या में हैं। ये जाति खेतों में से दाने और अनाज चुनकर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। इनके परिवार के लोग शिक्षा से काफी दूर हैं। यह जाति छप्पर डालकर रहती है। इन लोगों के पास अपने मकान भी नहीं होते हैं। एक तरह से विकासशील भारत में इस प्रकार की जाति अगर इस प्रकार का जीवन बिताये तो यह खेद की बात है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि पूर्वांचल की इस मूसहर जाति के विकास हेतु विशेष कदम उठाये जायें जिससे यह अपने नारकीय जीवन से मुक्त हो सके।